



Refresher Course On “21वीं सदी की दहलीज पर हिंदी का विमर्शमूलक कथा साहित्य”



19-09-2022 to 01-10-2022

Organized by UGC-HRDC and Department of Hindi
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur (C.G.) 495009

परिचय :

आज हिंदी कहानी अपनी शताब्दी पूरी कर रही है। शिल्प और विषय वस्तु की दृष्टि से बीतती सदी के आखिरी दशक कहानी के विकास की दृष्टि से संभवतः सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण रहे हैं। हिंदी कहानी की कई पीढ़ियाँ इन वर्षों में एक साथ सक्रिय रही हैं। साठोत्तरी पीढ़ी से काशीनाथ सिंह और दूधनाथ सिंह सरीखे कथाकारों ने अपना श्रेष्ठतम इसी समय लिखा। उदय प्रकाश, प्रियंवद, अखिलेश, शिवमूर्ति की सारी कहानियों का समय यही रहा है। इनके साथ ही लेखिकाओं—मैत्रेयी पुष्पा, गीतांजलि श्री, अलका सरावगी, मनीषा कुलश्रेष्ठ की पीढ़ी ने स्त्री संवेदना की एक ऐसी भावभूमि निर्मित की जो पूर्ववर्ती दौर की लेखिकाओं से सर्वथा भिन्न थीं। 21वीं सदी की दहलीज पर हिंदी कहानी स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श के साथ थर्ड जेंडर के विमर्शों से जुड़ रही थी। मनोज रूपड़ा, कुणाल सिंह, मनोज पाण्डेय के साथ किरण सिंह जैसे समर्थ लेखकों ने हिंदी कहानी के विमर्शमूलक स्वर को नेपथ्य से मुख्य परिदृश्य पर उपस्थित कर दिया। इसी के मद्देनज़र 21वीं सदी के विमर्शमूलक कथा साहित्य पर हमारा पुनश्चर्या कार्यक्रम केन्द्रित है।

पुनश्चर्या कार्यक्रम का महत्व :

- सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन को पहचानने की एक अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा।
- हिंदी कहानी की विकास-यात्रा में इस कालखंड में रचे गए कथा साहित्य का महत्त्व प्रतिपादित हो सकेगा।
- सामाजिक यथार्थ की बारीक घटनाएं जो हमारी दिनचर्या में नजरअंदाज कर दी जाती हैं, उनका नए परिवर्तन में क्या दूरगामी महत्त्व होने जा रहा है इन विमर्शों से हम उन्हें पहचान सकेंगे।

कार्यक्रम के महत्त्वपूर्ण बिंदु :

1. बाजारवाद का बढ़ता प्रभाव
2. सामाजिक और सांस्कृतिक अंतर्विरोध
3. विधाओं का अतिक्रमण
4. मध्यवर्गीय जीवन संवेदना

About Human Resource Development Centre (HRDC):

UGC-Academic Staff College (ASC), presently upgraded as Human Resource Development Centre (HRDC) was initially established in Guru Ghasidas Vishwavidyalaya (A Central University) during 2009. HRDC is organising various kinds of training programmes to enhance the professional skills and knowledge of teaching and non-teaching staff. The HRDC has the state-of-the-art ICT Laboratory equipped with high-speed internet & video conferencing facilities. The facilities of Central Library of Vishwavidyalaya, equipped with more than one lakh books and journals, Science Direct and INFLIB NET, have been extended to HRDC, which make possible an easy access to books, journals and e-resources for faculties. The HRDC has developed strong linkages with reputed national and international institutes and invites eminent academicians and researchers as resource persons as per the needs of the training programmes. The highly motivated faculty, eminent resource persons, state of the art facilities and excellent logistics are the strengths of HRDC and key to the successful organisation of many quality programmes.

हिंदी विभाग : एक परिचय

हिंदी विभाग की स्थापना वर्ष 1987 में की गयी. विभाग में हिंदी भाषा एवं साहित्य के विकास तथा प्रसार हेतु विभिन्न कार्यक्रमों यथा काव्य गोष्ठी, साहित्यिक परिचर्चा एवं साहित्य वार्ता जैसे शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है. इसके साथ ही विभागीय विद्यार्थियों को सक्रिय कार्यक्रमों के संचालन से अध्ययन सत्र के दौरान साहित्य के महत्व से अवगत कराया जाता है. राष्ट्रियता एवं कैरियर के महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में हिंदी भाषा के महत्व एवं उद्देश्य को आत्मसात करने की पूर्ति हेतु विभाग सतत प्रयत्नशील है.

Eligibility and Application of Participants :

1. Regular faculty members working in universities and colleges that are included under Section 2(f) of the UGC Act, even though they may not yet be fit under Section 12 (B), may be invited to participate in the orientation and refresher courses. The teachers of colleges that do not yet come within the purview of Section 2(f), but have been affiliated to a university for at least five years, will be permitted to participate in the courses.

who have been teaching for at least three academic sessions in an institution without differentiating them on the basis of type of management, which has been affiliated to a University programme / Refresher Course to enhance their skills.

3. University/ College teachers those already attended orientation programme or Refresher Course are eligible to attend a Refresher Course after a minimum gap of one year.
4. Selection will be made as per the guidelines of the UGC-HRDC and on first come first serve basis.
5. **The last date of receiving application is 30/08/2022.**

The interested candidates are advised to apply via online application form at the earliest and the same application may be printed out for applying through proper channel from university web site : www.ggu.ac.in/hrdc.aspx with a registration fee (non-refundable) of Rs. 1000/- paid through NEFT/RTGS/NET BANKING/OTHER in the account of UGC-HRDC, GGV, Bilaspur (C.G.), Bank Account No.- 947410110001547, IFSC Code- BKID0009474, Branch- BOI, GGV Campus, Koni to secure the participation. Bilaspur city of Chhattisgarh is well connected by rail and roadways. Regarding any further queries related to the course and other details, please contact the Course Coordinator and Director.

Contact :

Dr. Gauri Tripathi
Coordinator

Associate Professor
Department of Hindi,
Guru Ghasidas Vishwavidyalaya, Bilaspur (CG)
Email : tripathigauri07@gmail.com
Mob : 9452206059

Dr. Ratnesh Singh
Director (I/C)

HRDC, GGV, Bilaspur (CG)
Email : directorhrdcggv@gmail.com
Tel. No : 07752-260435, 260467
Mob : 099811-00372